आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 4/सितंबर 2023
Received: 18/09/2023; Published: 24/09/2023

हिन्दी भाषा महाकुंभ

- **सुषमा मेहता**

हिंदी भाषा वह महाकुंभ,

जहाँ शब्द पथिक से आते है,

निज देशों की पहचान लिए,

हिंदी में धूल-मिल जाते हैं।

हिंदी की यही उदारता है,

हर भाषा को सम्मान दिया,

अपनी जिजीविषा भी रखी,

नूतनता को भी मान दिया।

हिंदी की गौरव गाथा में,

हर भाषा का सम्मान छिपा,

यह एक सूत्र अखंडता का,

इसमें भारत का मान छिपा।

****